बिहार के नगरीय प्रतिरूप

परिचय

नगरीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें लगातार कार्यिक प्रतिरूप ,नगर के आकार और नगर की जनसंख्या में लगातार वृद्धि होती है ।। नगरीय भूगोल मानव भूगोल की एक नवीनतम व महत्वपूर्ण शाखा है , जिसमे पृथ्वीतल या उसके किसी प्रदेश की नगरीय बस्तियों के बीच तथा भीतर और अन्य नगरीय एवं अनगरीय प्रदेशों से उनके संबंधों में जो क्षेत्रीय भिविन्नतायें पायी जाती है उनकी वैज्ञानिक व्याख्या की जाती है । नगरीय भूगोल को भूगोल की एक महत्वपूर्ण शाखा के रूप में विकसित करने का श्रेय ग्रिफिथ टेलर ,सी.एफ.कोहन, आर.ई.डिकिन्सन ,हासर एवं लेव .टर्नर , ओ.पी.सिंह, सुरेश चन्द्र बंसल, भट्टाचार्या , तथा चौरसिया को जाता है , जिन्होंने नगरीय भूगोल के अर्थ एवं स्वरुप ,विषय क्षेत्र ,उपागम एवं विधितंत्र को सुस्पस्ट एवं सुसंगठित करने का सराहनीय प्रयास किया है । आजादी के समय बिहार में कुल आबादी का 6.5 प्रतिशत जनसंख्या नगरों में निवास करती थी और आज 70 साल के बाद भी 11.3 प्रतिशत आबादी ही नगरों में निवास करती है । बिहारी अर्थव्यस्था की निस्तेजता और स्थिरता की यह सबसे बड़ा उदहारण है । बिहार में नगरीकरण के नगण्य होने के पीछे कई कारण है :-

1.कृषि उत्पादन की स्थिरता ,

2.औधोगिकीकरण की दर नगण्य होना ,

3.सड़क ,बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओ का अभाव,

4. बाढ़ और सुखाड़ की स्थायी समस्या ,

5.सिंचाई की अपर्याप्त व्यवस्था

बिहार के 130 शहरों में से 111 स्वतंत्र शहर है और 19 ऐसे शहर है जिन्हें नव-नगर समूहों में बांटा गया है । “नगर समूह” नगर समूह ऐसे नगरीय बस्ती को कहते है जब दो या दो से अधिक नगरों की सीमा आपस में मिल जाते है । जैसे पटना, गया, मोतिहारी, समस्तीपुर, भागलपुर, पूर्णिया, बेगुसराय, कटिहार,सीतामढ़ी,इत्यादि नगर समूह के उदहारण है ।

भारत में नगरीकरण का औसत प्रतिशत 2.78 प्रतिशत है । भारत के सभी राज्य और केंद्र प्रशासित राज्यों में बिहार में सबसे कम नगरीय जनसंख्या अधिवासित होती है । कुल जनसंख्या के दृष्टिकोण से बिहार भारत का तीसरा सबसे बड़ा राज्य है जबकि यहाँ भारत की मात्र 3.04 प्रतिशत जनसंख्या ही बिहार के नगरों में निवास करती है । जनगणना 2011 के अनुसार बिहार में 11758016 लोग नगरों में निवास करते है जिसमे से 6204307 पुरुषों तथा 5553709 महिलाओं की संख्या हैं । पिछले 10 सालों में बिहार में नगरीय जनसंख्या में 11.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है ।

2011 की जनगणना के अनुसार बिहार में 26 ऐसे नगर है जिनकी जनसंख्या 1 लाख से अधिक है । इसे नीचे की तालिका -01 में देखा जा सकता है -

तालिका -01				
क्रम संख्या	नगर	जनसंख्या	पुरुष	महिला
1.	पटना	1684222	893399	790823
2.	गया	468614	247131	221483
3.	भागलपुर	400146	212813	187333
4.	मुजफ्फरपुर	354462	187564	166898
5.	बिहारशरीफ	297268	155216	142052
6.	दरभंगा	296039	155637	140402
7.	पूर्णिया	282248	148077	134171
8.	आरा	261430	138804	122626
9.	बेगुसराय	252008	133722	118286
10.	कटिहार	226261	119574	106687
11.	मुंगेर	213303	113291	100012
12.	छपरा	202352	106501	95851
13.	दानापुर	182429	96875	85554
14.	सहरसा	156540	83291	73249
15.	हाजीपुर	147688	78047	69641
16.	सासाराम	147408	77599	69809
17.	डेहरी	137231	72372	64859
18.	सीवान	135066	70756	64310
19.	बेतिया	132209	69529	62680
20.	मोतिहारी	126158	67861	58297
21.	बगहा	112634	59614	53020
22.	किशनगंज	105782	55143	50639
23.	जमालपुर	105434	56072	49362
24.	जहानाबाद	103202	54710	48492
25.	बक्सर	102861	54277	48584
26.	औरंगाबाद	102244	53542	48702

बिहार में छोटे-बड़े नगरों की संख्या 130 है । उल्लेखनीय है कि 1991 में अविभाजित बिहार की नगरीय जनसंख्या 11353012 थी । वर्तमान बिहार का जो क्षेत्र है उसकी नगरीय जनसंख्या 67.1 लाख थी । 1991-2001 की अवधि में 19.67 लाख तथा 2001-2011 की अवधि में 30 लाख जनसंख्या वर्तमान बिहार में नगरीय जनसंख्या के रूप में बढ़ी । वर्तमान बिहार में कुल नगरीय जनसंख्या जनगणना 2011 के अनुसार 117 लाख है । बेगुसराय , मधेपुरा , समस्तीपुर और सुपौल ऐसे जिले थे जहाँ नगरीकरण की दर ऋणात्मक रही क्योंकि 2001 की जनगणना में तो इन जिलों के कुछ ऐसे नगर भी थे जिनकों नगर की परिभाषा से ही हटा दिया गया था परन्तु जनगणना 2011 के अनुसार वैसे शहरों में नगरीय जनसंख्या में वृद्धि हुई है । अगर बिहार के नगरों के

प्रतिरूप का अध्ययन किया जाये तो स्पष्ट होता है कि बिहार के जिलों को 6 समूहों में विभक्त किया जा सकता है ।

1. **50 प्रतिशत से अधिक नगरीय जनसंख्या वृद्धि वाले जिला :-** कैमूर ,जहानाबाद , शिवहर , सहरसा ।
2. **40-50 प्रतिशत के बीच नगरीय जनसंख्या वृद्धि वाले जिला :-** पूर्णिया , मोतिहारी , बक्सर , औरंगाबाद , नवादा , पटना ।
3. **30-40 प्रतिशत के बीच नगरीय जनसंख्या वृद्धि वाले जिला :-** प० चम्पारण , भोजपुर , गया , लखीसराय , जमुई , भागलपुर , वैशाली ।
4. **20-30 प्रतिशत के बीच नगरीय जनसंख्या वृद्धि वाले जिला :-** सिवान , सारण , मुज़फ्फपुर , सीतामढ़ी , मधुबनी , अररिया , कटिहार , रोहतास , बांका ।
5. **0-20 प्रतिशत के बीच नगरीय जनसंख्या वृद्धि वाले जिला :-** बिहारशरीफ , मुंगेर ।
6. **0-6 प्रतिशत के बीच नगरीय जनसंख्या वृद्धि वाले जिला :-** सुपौल , मधेपुरा , समस्तीपुर , बेगुसराय ।

बिहार के पाँच सबसे ज्यादा नगरीय जनसंख्या रखने वाले जिला को तालिका -02 में देखा जा सकता है -

तालिका-02		
क्रम संख्या	जिला	नगरीय जनसंख्या
1.	पटना	2514590
2.	भागलपुर	602532
3.	गया	581601
4.	बेगुसराय	569823
5.	मुजफ्फरपुर	473437

बिहार के पाँच सबसे कम नगरीय जनसंख्या रखने वाले जिला को तालिका -03 में देखा जा सकता है -

तालिका-03		
क्रम संख्या	जिला	नगरीय जनसंख्या
1.	शिवहर	28116
2.	अरवल	51849
3.	कैमूर	65571
4.	बांका	71313
5.	खगरिया	87159

बिहार की नगरीय जनसंख्या की स्थिति भारत की तुलना में 1901 से 2011 के बीच तालिका -04 में देखा जा सकता है -

TABLE-04

RURAL AND URBAN POPULATION-BIHAR AND INDIA 1901-2011 (IN LAKHS)

YEAR	INDIA					BIHAR				
	TOTAL POPULATION	RURAL POPULATION	URBAN POPULATION	PERCENTAGE OF RURAL POPULATION	PERCENTAGE OF URBAN POPULATION	TOTAL POPULATION	RURAL POPULATION	URBAN POPULATION	PERCENTAGE OF RURAL POPULATION	PERCENTAGE OF URBAN POPULATION
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1901	2384	2125	259	89.16	10.84	215	203	12	94.06	5.58
1911	2521	2262	259	89.71	10.29	219	206	13	94.06	5.94
1921	2513	2232	281	88.82	11.18	216	204	12	94.44	5.56
1931	2790	2455	335	88.01	11.99	237	233	14	94.09	5.91
1941	3187	2745	442	86.14	13.86	266	235	31	88.35	11.65
1951	3611	2986	625	82.71	17.29	294	275	19	93.53	6.46
1961	4392	3603	789	82.03	17.97	384	323	26	92.81	7.47
1971	5481	4390	1091	80.09	19.91	421	388	33	90.50	9.50
1981	6833	5255	1597	76.69	23.34	523	472	51	90.25	9.75
1991	8463	6287	2176	74.28	25.71	645	556	90	86.20	13.95
2001	10288	7426	2861	72.18	27.81	830	743	87	89.52	10.48
2011	12102	8331	3771	68.84	31.16	1038	921	117	88.70	11.30
Source:-	**Census of India 2011(P)**									

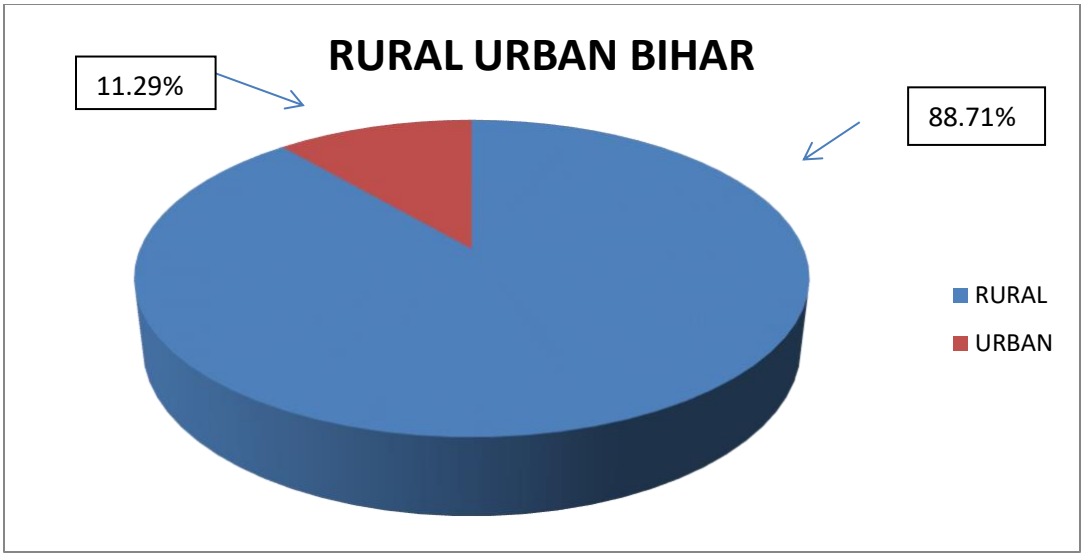

बिहार प्रमुख छोटे बड़े नगरों को नीचे दिए गये मानचित्र-01 में दर्शाया जा रहा है :-

मानचित्र -01

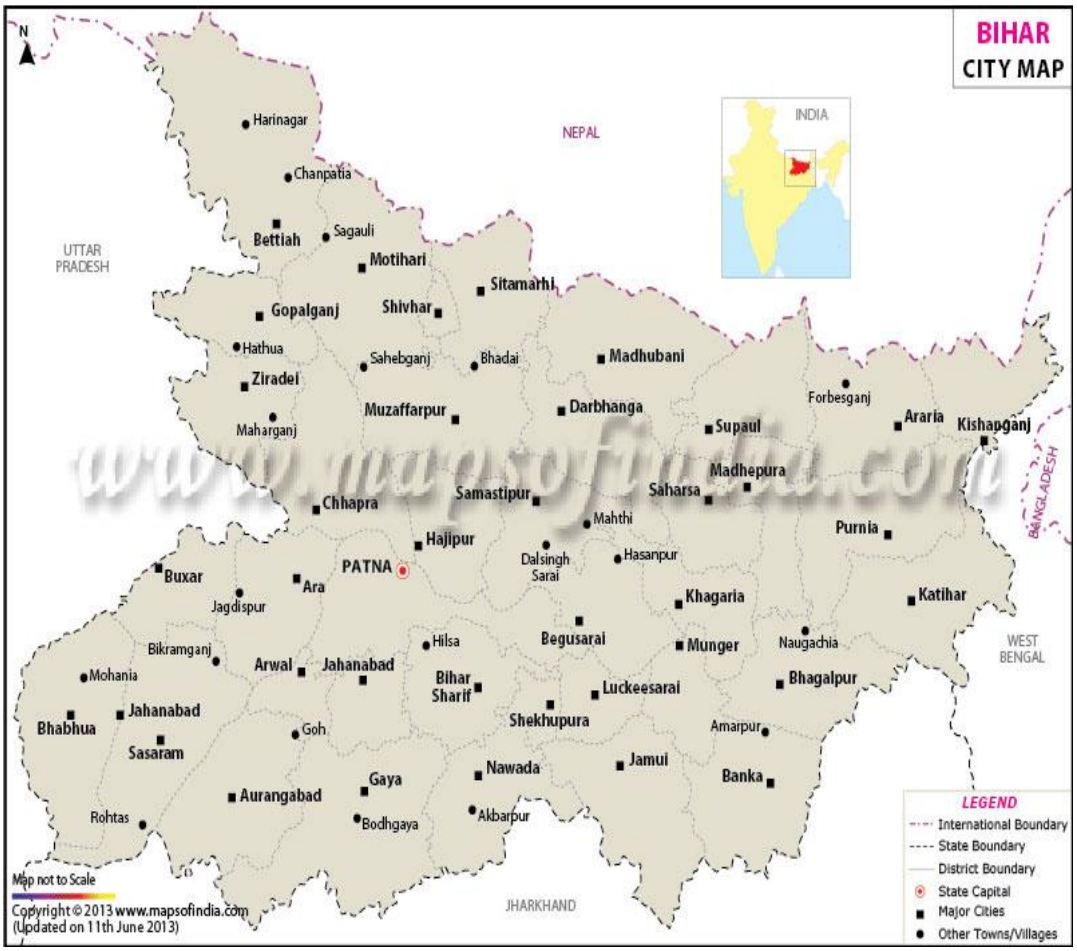

निष्कर्ष :-

इस तरह उपर्युक्त दिए गये आंकड़ों और तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि बिहार नगरीकरण के मामले में भारत का सबसे पिछड़ा राज्यों में से एक है । स्वतंत्रता प्राप्ति के समय बिहार में नगरीय जनसंख्या जहाँ मात्र 6.5 प्रतिशत थी वही आज भी आजादी के 70 वर्षों के बाद भी मात्र 4.8 प्रतिशत बढ़कर 11.3 प्रतिशत जनसंख्या नगरों में निवास कर रही है जो कि भारत के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है । अत: बिहार में कृषि सुधार , औधोगिकरण इत्यादि को बढ़ावा देकर नगर विकास की प्रक्रिया को तीव्र करने की आवश्यकता है ।

By DR. AMAR KUMAR

sub- GEOGRAPHY

Email id-amarkumar10291@gmail.com

mob-8709640779

for BA part 3 paper VI